

—: शपथ पत्र :—

मैं पुत्र श्री जाति आयु वर्ष निवासी...
 तहसील जिला राज. शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि :—

1. मैं ग्राम का मूल निवासी हूँ।
 2. मैंने जिस भूखण्ड का आवासीय पट्टा बनाने हेतू पंचायत से निवेदन किया है यह भूखण्ड पंचायत क्षेत्र की आबादी भूमि में आया हुआ है।
 3. इस भूखण्ड पर मेरा पुस्तैनी कब्जा पीढ़ियों से चला आ रहा है। अर्थात् इस पर मेरा 50 से भी अधिक वर्ष कब्जा चला आ रहा है।
 4. इस भूखण्ड के पड़ौस निम्न प्रकार है :—
 उत्तर में दक्षिण में
 पूर्व में पश्चिम में
 5. इस पुस्तैनी भूखण्ड का भाई बंट कर लिया है, अर्थात् इस भूखण्ड पर मेरा हक व अधिकार है। अन्य किसी का हक अधिकार नहीं है।
 6. इस भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल वर्ग गज है।
 7. इस मकान/भूखण्ड का पूर्व में मेरे दादा/पिता/भाई द्वारा किसी भी ग्राम पंचायत/संस्था से पट्टा प्राप्त नहीं किया है या जारी नहीं करवाया गया है। यदि किसी भी परिस्थिति में इस मकान/भूखण्ड का पट्टा जारी होना साबित होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी और दोष केवल और केवल मेरी ही होगा और मिलने वाले दण्ड का भागी में ही रहूंगा।
-

—:तस्दीकः—

मैं पुत्र श्री जाति आयु वर्ष निवासी..... तहसील जिला राज. शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि पैरा सं.1 से 7 तक वर्णित तमाम तथ्य मेरे निजी ज्ञान व जानकारी के अनुसार सही व सत्य है। मैंने इसमें कुछ भी नहीं छुपाया है। सत्य बोलने में ईश्वर मेरी मदद करें।

—: गवाह शपथ पत्र :—

मैं पुत्र/पत्नी श्री जाति आयु निवासी..
..... तहसील जिला (राज.) शपथपूर्वक बयान करता/करती हूँ कि :—

1. यह है कि मैं ग्राम का/की मूल निवासी हूँ।
 2. यह है कि पुत्र श्री जाति आयु निवासी तहसील जिला (राज.) को व्यक्तिगत रूप से जानता/जानती हूँ व पहचानता/पहचानती हूँ।
 3. यह है कि इन्होंने ग्राम पंचायत में अपने भूखण्ड के पट्टे हेतु आवेदन किया है, वो भूमि ग्राम की आबादी भूमि में स्थित हैं तथा इनका इस भूमि पर पिछले 50 वर्षों से निविवादित रूप से कब्जा चला आ रहा है। जिसका पट्टा जारी होने से मुझे कोई आपत्ति नहीं है।
 4. यह है कि इनके उक्त आवेदित पट्टा हेतु जायेगा, का पूर्व में पट्टा जारी नहीं करवाया गया है और अगर ऐसा हुआ तो उसका/उसकी उत्तरदायी मैं स्वयं रहूँगा/रहूँगी।
 5. यह है कि प्रस्तुत शपथ पत्र पट्टा आवेदन हेतु साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
-

—: सत्यापन :—

मैं पुत्र/पत्नी श्री जाति आयु
निवासी तहसील जिला (राज.) ० तस्दीक करता/करती हूँ कि
उपर्युक्त विशिष्टियाँ मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही व सत्य होने से स्वीकार हैं। ईश्वर मेरा
साक्षी है। इति दिनांक :—
